

# पाठ- 5- पुष्प की अभिलाषा प्रस्तावना, विश्लेषण , शब्दार्थ



**CLASS: V**

**SESSION NO : 7**

**SUBJECT : HINDI**

**CHAPTER NUMBER: 5**

**TOPIC: पुष्प की अभिलाषा**

**SUB TOPIC: प्रस्तावना , विश्लेषण**

**CHANGING YOUR TOMORROW**

Website: [www.odmegroup.org](http://www.odmegroup.org)

Email: [info@odmps.org](mailto:info@odmps.org)

Toll Free: **1800 120 2316**

Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

# शिक्षण उद्देश्य

कविता के माध्यम से देश प्रेम और स्वार्थ त्याग की प्रेरणा देना।

# पुष्प की अभिलाषा

चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,  
चाह नहीं प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,  
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर, हे हरि, डाला जाऊँ  
चाह नहीं, देवों के सिर पर, चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ,



www.rachnasagar.in

मुझे तोड़ लेना वनमाली!  
उस पथ में देना तुम फेंक,  
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने,  
जिस पथ जाएँ वीर अनेक ।



## शब्द

चाह  
गूँथा  
हरि  
भाग्य  
पथ  
मातृभूमि  
शीश  
वीर  
सुरबाला  
बिंध  
शव  
इठलाऊँ

## अर्थ

इच्छा ,अभिलाषा  
बाँधना ,पिरोना  
भगवान  
नसीब ,किस्मत  
मार्ग, रास्ता  
जन्मभूमि ,अपना देश  
सिर  
साहसी  
देवकन्या  
बाँधना  
मृत शरीर  
गर्व करना , घमंड दिखाना

गृहकार्य

कक्षा कार्य कॉपी में शब्दार्थ दो बार  
लिखिए ।

## शिक्षण प्रतिफल

कविता के मूल भाव से प्रेरणा लेने के साथ-साथ नए शब्दों के अर्थ जान पाएंगे ।

**THANKING YOU**  
**ODM EDUCATIONAL GROUP**

